

गाँठदार त्वचा रोग

हाल ही में पंजाब राज्य सरकार ने मवेशियों में गाँठदार त्वचा रोग की शुरुआती रोकथाम हेतु नःशुल्क टीकाकरण अभियान चलाने के लिये गोट पॉक्स वैक्सीन की 25 लाख खुराकें एयरलफिट की हैं।

- **गाँठदार त्वचा रोग (Lumpy Skin Disease- LSD)** ने जुलाई 2022 में मवेशियों को बड़े पैमाने पर प्रभावित किया था। पूरे पंजाब राज्य में लगभग 1.75 लाख मवेशी प्रभावित हुए थे और लगभग **18,000 मवेशियों की मौत हो गई थी**

गाँठदार त्वचा रोग:

■ कारण:

- LSD मवेशियों या भैंस के **लम्पी स्कनि डज़ीज़ वायरस (LSDV)** के संक्रमण के कारण होता है।
 - **खाद्य और कृषि संगठन (Food and Agriculture Organization- FAO)** के अनुसार, LSD की **मृत्यु दर 10%** से कम है।
- 'गाँठदार त्वचा रोग' को पहली बार वर्ष 1929 में जाम्बिया में एक महामारी के रूप में देखा गया था। प्रारंभ में यह या तो ज़हर या कीड़े के काटने का अतसिंवेदनशील परिणाम माना जाता था।

■ संक्रमण:

- गाँठदार त्वचा रोग मुख्य रूप से मच्छरों और मकखियों के काटने, कीड़ों (वैक्टर) के काटने से जानवरों में फैलता है।

■ लक्षण:

- इसमें मुख्य रूप से बुखार, आँखों और नाक से तरल पदार्थ का निकलना, मुँह से लार का टपकना, शरीर पर छाले आदि लक्षण होते हैं।
- इस रोग से पीड़ित पशु खाना बंद कर देता है और चबाने या खाने के दौरान समस्याओं का सामना करता है, जिसके परिणामस्वरूप दूध का उत्पादन कम हो जाता है।

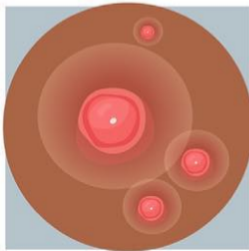
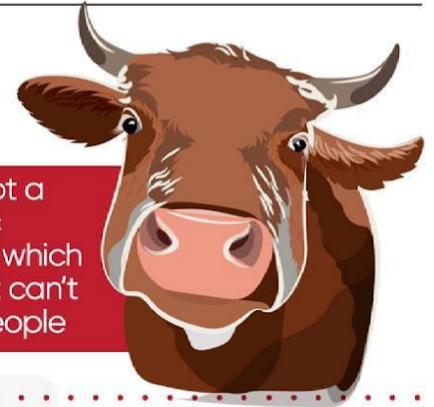
■ रोकथाम और उपचार:

- वर्तमान में भारत **LSD के लिये गोट पॉक्स वैक्सीन** और शीप पॉक्स वायरस के टीके लगा रहा है।
 - यह एक **हेटरोलॉगस वैक्सीन** है जो बीमारी के **खिलाफ मवेशियों को क्रॉस-सुरक्षा** प्रदान करती है।
 - गोट पॉक्स, शीप पॉक्स और LSD एक ही **कैम्प्लेक्सवायरस जीनस** से संबंधित हैं।
 - **लम्पी-प्रोवैकइंड ICAR** के राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केंद्र और भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान द्वारा संयुक्त रूप से विकसित एक लाइव एटेन्यूएटेड वैक्सीन है, जिसे LSD वायरस के खिलाफ मवेशियों की रक्षा के लिये लक्षित किया गया है और **100% सुरक्षा प्रदान करती है**।
 - **कुछ महीनों में इसे व्यावसायिक रूप से लॉन्च किये जाने की उम्मीद है।**
- गाँठदार त्वचा रोग के उपचार के लिये कोई विशिष्ट एंटीवायरल दवा उपलब्ध नहीं है। इसका उपलब्ध एकमात्र उपचार मवेशियों की उचित देखभाल है।
 - इसमें घाव देखभाल, स्प्रे का उपयोग करके त्वचा के घावों का उपचार और द्वितीयक त्वचा संक्रमण तथा नमोनिया को रोकने के लिये एंटीबायोटिक दवाओं का उपयोग शामिल हो सकता है।
 - प्रभावित जानवरों की भूख को बनाए रखने के लिये एंटी-इंफ्लेमेटरी (Anti-Inflammatories) दर्द नवारक दवाओं का उपयोग किया जा सकता है।

LUMPY SKIN DISEASE IN CATTLE

- Called LSD for short, it is caused by a poxvirus
- It is transmitted through the bite of an infected mosquito or tick
- It can spread through saliva & nasal secretions

LSD is not a zoonotic disease, which means it can't infect people



MAIN SYMPTOM

Skin nodules/lumps in one area or all over the body



THE EFFECT IN CATTLE

- Reduced milk production
- Reduced male fertility
- Weight loss
- Pregnancy loss

TREATMENT

- No specific remedy
- Antibiotics, anti-inflammatory drugs & vitamins are prescribed to prevent a secondary infection

An outbreak of LSD has been reported in:

- India
- Bangladesh
- Nepal
- China
- Vietnam
- Myanmar
- Thailand

In Malaysia, just 0.1% of 81,252 head of cattle tested at 9,108 farms have the disease

//

[स्रोत: द परटि](#)